12.58 hrs

JOINT COMMITTEE ON OFFICES OF PROFIT

SECOND REPORT

SHRI D BASUMATARI (Kokrajhar) : I beg to present the Second Report of the Joint Committee on Office of Profit on the Draft Parliament (Prevention of Disqualification) Amendment Bill, 1971

DISTURBED AREAS (SPECIAL COURTS) BILL*

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI F. H MOSHIN) On behalf of Shri Ram Niwas Mirdha, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the speedy trial of certain offences in certain areas and for matters connected therewith

MR SPEAKER . The question is

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the speedy trial of certain offences in certain areas and for matters connected therewith"

The motion was adopted

SHRI F H. MOSHIN I introduce the Bill.

CRIMINAL LAW (AMENDMENT) BILL*

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI F H MOHSIN) On behalf of Shri Ram Niwas Mirdha, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Penal Code, the Code of Criminal Procedure, 1898 and the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967.

MR. SPEAKER . Motion moved

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Penal Code, the Code of Crimmal Procedure, 1898 and the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967."

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) . अध्यक्ष महोदय, मैं इस विधेयक के पेश किये जाने का विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं । मैंने आप को सूचना दी है, मैं इस समय विधेयक के ब्योरे मे नही जा रहा हू, उसके गुण और दोषो की चर्चा नहीं कर रहा हूं यद्यपि मैं जानता हूं कि यह विधेयक बड़ा शरारतपूर्ण है और यह साम्प्रदायिकता को समाप्त करने के लिये नही लाया जा रहा है, यह मुस्लिम संगठनो के विरुद्ध नही है । इसके अन्तर्गत केवल हिन्दू संगठनो के खिलाफ कार्यवाही की जायगी, इसके विरुद्ध हम सदन मे भी लडेंगे और बाहर भी लडेंगे ।

लेकिन यहा मैं दूसरी बात कह रहा हू । एक तरीका बन गया है—आप द्वारा दिये गये निर्देशो और सदन द्वारा पारित नियमो के खिलाफ मंत्रियो को विधेयक पेश करने की इजाजत देने का/आप डायरैक्शन्ज के नियम 19(ए) को देखे—

"A Minister desiring to move for leave to introduce a Bill shall give notice in writing of his intention to do so"

आगे कहा गया है—

"at least seven days "

अर्थात् इसके लिये सात दिन का नोटिस होना चाहिये ।

अब इस विधेयक को मैंने देखा—इस पर श्री आर० एन० मिर्धा जी के दस्तखत है और दस्तखत के साथ 27 मई की तारीख दी गई है । स्पष्ट है कि सात दिन का नोटिस पूरा नही किया गया ।

अध्यक्ष महोदय · इसे मैंने एलाउ किया है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर आप एलाउ करते जा रहे हैं तो फिर ये नियम बनाये क्यो गये हैं । यदि आप अपने अधिकारों का इस तरह से उपयोग करेंगे तो नियमों की यह पुस्तिका रद्दी की टोकरी मे फेंकने लायक हो जायगी । अभी उस दिन आप ने शिक्षा मंत्री जी को विधेयक

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 2 dated 31 5.72

लाने की छूट दे दी, उस दिन नियमों को ताक पर रख दिया गया। कल आप ने वित्त मंत्री जी को छूट दे दी—ज्वाइन्ट, सिलैक्ट कमेटी बनाने के लिये, जिस की इजाजत न संविधान देता है, न नियम की किताब देती है। यह बिल क्या पहले नहीं लाया जा सकता था। यह बिल पास करने के लिये नहीं है, खाली पेश किया जा रहा है, क्या इसको अगले सेशन में पेश नहीं किया जा सकता था। आखिर नियम किस लिये बनाये गये हैं—एक—आध मामले में कोई असाधारण परिस्थिति हो तो आप नियम वेव करते, लेकिन यहां तो एक अपवाद नियम बन गया है। मुझे सचमुच बड़ा रोष है और मैं समझता हू कि आप जिस तरह से इजाजत दे रहे हैं उससे न नियमों की प्रतिष्ठा बढ़ रही है और न लोक सभा की गरिमा बढ़ रही है। आप नियमों का पालन नहीं करेंगे तो हम लोगो से भी नियमों का पालन करने की आशा न की जाय।

13 hrs.

अध्यक्ष महोदय: मैं आपसे काफी सहमत हूं। इसमे इजाजत दी गई है। जब सेशन खत्म होने को आता है तो आम तौर पर यही चलता है, गवर्नमेंट की कोशिश रहती है कि यह बिल रह गया, वह बिल रह गया, इस बिल को इसी सेशन मे पास करना चाहते हैं तो जो रीजन्स गवर्नमेंट देती है उनसे अगर मैं कन्विन्स हों जाऊं तब इजाजत देता हू। स्पीकर को आपने इसीलिए यह अख्तियार दिए हैं। अगर आप नहीं चाहते हैं तो यह दख्तियारात वापिस ले लीजिए। लेकिन अगर यह अख्तियार आप देते हैं तब फिर यह गलत बात है कि आप हर दफा खड़े होकर कहें कि क्यो इजाजत दे दी। गवर्नमेंट जो रीजन्स देती है अगर वह कन्विंसिग होती है तो मैं इजाजत देता हूं। ...(व्यवधान)...

तब तो जब गवर्नमेंट इजाजत मागे तब दे दी जाये यही रखा जाये। ...(व्यवधान)...

श्री जगन्नाथ राव जोशी (शाजापुर): इसी सत्र में इस विधेयक को पेश करने की क्या आवश्यकता थी? अगले सत्र में भी यह आ सकता था। ...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय: कुछ रीज़न्स बताये होंगे तभी तो मैंने इजाजत दी होगी।

गृह मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पंत): एक एतराज तो उस तरफ से यह किया गया कि इस सत्र मे यह पास नहीं हो रहा है अगर यह बिल इसी सेशन मे पास कर दिया जाये तो हमे बड़ी खुशी होगी।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: पास करने का समय कहा है? हम कहते हैं कि बिना चर्चा के ही पास कर दीजिए। यदि अधिवेशन समाप्त हो जायें तो आर्डिनेन्स निकाल दीजिए और जो इसके खिलाफ बोलते हैं उनको फांसी पर चढ़ा दीजिए। ......(व्यवधान) ...

श्री फूलचन्द्र वर्मा (उज्जैन): बहुमत के आधार पर यहां पर जंगल के कानून बनते जा रहे है। (व्यवधान) .....

अध्यक्ष महोदय: मैंने अच्छी तरह से देखकर इसको इजाजत दी है। यह नहीं कि यू ही दे दी है। स्पीकर का काम सिर्फ यही नहीं है कि यहा पर बैठा रहे। कई दफा गवर्नमेंट की तरफ से कुछ आता है तो उसमे गवर्नमेन्ट की भी कुछ ड्यूटी होती है और आपकी अपोजीशन की भी कुछ ड्यूटी होती है। अब वह दिन गुजर गए जब 9 स्पीकर्स का गला काट दिया गया था। कभी किंग का कहना नहीं माना तो स्पीकर का गला काट दिया गया तो वह बातें अब चली गईं। अब रूल्स की बात है। रूल्स प्रोवाइडेड हैं और उनके मुताबिक मुझे डिस्क्रीशन दिया गया है जिसको मुझे इस्तेमाल करना है। वैसे आपकी व्यूज का हम आगे ख्याल रखेंगे। ...(व्यवधान) ..

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: आपने अभी तक एक शब्द भी नहीं कहा कि इस विधेयक को इसी समय लाना क्यों जरूरी था।

अध्यक्ष महोदय: फाइल आयगी तो बता दूंगा। आम तौर पर यही होता है कि स्पीकर

[अध्यक्ष महोदय]

जवाब नहीं देता है । ···(व्यवधान)···अगर स्पीकर की एथारिटी है, डिस्क्रीशन है तो वह चलेगी वरना आप उसको वापिस ले लीजिए । · (व्यवधान) · अगर आप मुझे भी हुक्म करें तो आपको फाइल दिखा दूं कि क्या रीजन्स हैं । कल आप एतराज करते थे कि उस मेम्बर ने फाइल क्यों लो, मैंने मिश्रा जी से बात की थी ··

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : एक बात मुझे और कहनी है । यह चीज सर्कुलेट की गई है, यह क्या है ? अलीगढ़ यूनिवर्सिटी बिल का कारिजेन्डम सर्कुलेट किया जा रहा है, क्या इसकी भी आपने इजाजत दी है ?

अध्यक्ष महोदय : वह तो प्रिंटिंग मिस्टेक्स है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, आप बैठ जाइए, मैं आपको बताना चाहता हूं । आप हमारे साथ जबर्दस्ती कर रहे हैं । (व्यवधान) ·

अध्यक्ष महोदय आपको तो एक पार्टी लीड करनी है, आपमे इतनी तेजी आ जाये तो कैसे रोका जायेगा । ··(व्यवधान) ·

श्री अटल बिहारी वाजपेयी यह यहां पर बांटा जा रहा है । · (व्यवधान) · यदि अलीगढ यूनिवर्सिटी बिल मे कोई अमेन्डमेंट करना है तो वह सदन मे आना चाहिए, इस तरह से नही आ सकता है ।

अध्यक्ष महोदय इस समय मेरे सामने आइटम नं० 12, इंडियन पीनल कोड है और इस पर अभी वोटिंग नही हुई है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मेरे हाथ मे यह आ गया तो मैंने कहा एक यह नयी मुसीबत आ गई । · (व्यवधान) ··

अध्यक्ष महोदय : क्या अपोजीशन का यही काम है बात पर खड़े होना ? मैं जानता हूं अपोजीशन छोटा है, मेरा फर्ज है आपको एकोमोडेट करूं और मैंने कई मामलों में आपको एकोमोडेट किया है, काफी डिफीकल्टी हालात मे एकोमोडेट किया है । अगर उसको ओवर-एग्जाजरेटेड समझें तो वह बात गलत होगी । ·· (व्यवधान)···

श्री श्याम नन्दन मिश्र (बेगुसराय) : चेयर को भी ममता होनी चाहिए और हमको भी । आम तौर पर जो भी विधेयक आयें उनको ऐसे ही न मान लें । ···(व्यवधान) ··

MR SPEAKER · The question is :

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Penal Code, the Code of Criminal Procedure, 1898 and the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967."

The motion was adopted

SHRI F H MOHSIN I introduce the Bill.

13.08 hrs.

HIRE PURCHASE BILL—*Contd*

MR. SPEAKER : We will now proceed with the further consideration of the Hire Purchase Bill Shri Somnath Chatterjee.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Burdwan) Mr Speaker, Sir ·

So far as this Bill is concerned, I consider it as a welcome measure because it has become necessary to control the abuse of the hire purchase system on the part of financiers and various financial institutions and to save the hirers who generally hail from the weaker sections of the society As I indicated yesterday, one of the greatest evils which has crept into this system is that the financiers were procuring the signatures from the hirers on forms in which blanks were there and they were being utilised by the financiers for filling in the blanks suitably. They have been taking signatures on blank promissory notes, blank hundis, etc., apart from taking penal interest.